के सर्वोपरि पर्यवेक्षण के अलावा अखिल भारतीय तथा उच्चतर केन्द्रीय सेवा परीक्षाओं के लिए हिन्दी को एक वैकल्पिक माध्यम के रूप में आरम्भ करने के लिए सरकार द्वारा किये गये निर्णय से सम्बन्धित प्रारम्भिक कार्य की योजना बनाना तथा उसे कार्यरूप देना सम्मलित था। बाद में लिए गए इस निर्णय के परिणाम-स्वरूप कि, अंग्रेजी के अलावा, संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित सभी भाषाएं इन परीक्षाओं के लिए वैकल्पिक माध्यम के रूप में साथ-साथ आरम्भ की जायं, यह कार्य भी परीक्षा नियंत्रक को सौंपा गया।

(घ) जी नहीं, श्रीमान्।

(ङ) जैसा कि प्रश्न के भाग (क) और (ख) के उत्तर में बताया जा चुका है इस पद के वर्तमान धारक को उनकी वार्धक्य निवृत्ति आयु होने पर 21 फरवरी, 1968 से दो वर्ष की और फिर 21 फरवरी, 1970 से एक वर्ष की सेवावृद्धि दी गई थी। ये सेवावृद्धियां संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के लिए वैकल्पिक माध्यमों के संबंध में लिये गये निर्णयों के कार्यान्वयन के सम्बन्ध में अविलम्बनीय प्रारम्भिक कार्य हाथ में लेने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पूर्णतया लोक-हित में दी गई हैं।

**श्री बलदेव सिंह की हत्या के बारे में केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा जांच**

8212. **श्री वंशनारायण सिंह :**
**श्री ओंकार लाल बेरवा :**
**श्री जगन्नाथ राव जोशी :**
**श्री भारत सिंह चौहान :**
**श्री हुकम चन्द कछवाय :**

क्या **गृह-कार्य** मंत्री श्री बलदेव सिंह की हत्या के बारे में मजिस्ट्रेट की जांच के संबंध में 20 मार्च, 1970 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3752 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मजिस्ट्रेट द्वारा की गई जांच-रिपोर्ट से पता लगा है कि पहले स्थानीय पुलिस द्वारा और बाद में विशेष पुलिस द्वारा की गई जांच-पड़तालें परस्पर विरोधी हैं ;

(ख) क्या सरकार इस मामले के बारे में केन्द्रीय जांच ब्यूरो के जरिये जांच करायेगी ;

(ग) यदि हां, तो यह मामला केन्द्रीय जांच ब्यूरो को किस तारीख को सौंपा जायेगा ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

**गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल)** : (क) हिमाचल प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि इस जांच का संचालन विशेष पुलिस द्वारा कभी नहीं किया गया था। अतः स्थानीय पुलिस तथा विशेष पुलिस द्वारा की गई जांच के प्रतिवेदनों के परस्पर विरोधी होने का प्रश्न नहीं उठता।

(ख) मजिस्ट्रेट द्वारा पहले की जा चुकी जांच को ध्यान में रखते हुए, केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा जांच आवश्यक नहीं समझी जाती है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) चूंकि इस मामले में मजिस्ट्रेट द्वारा पहले ही जाँच की जा चुकी है, इसलिए केन्द्रीय जांच आवश्यक नहीं समझी जाती है।

**श्री बलदेव सिंह की हत्या**

8213. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
**श्री जगन्नाथ राव जोशी :**
**श्री भारत सिंह चौहान :**
**श्री हुकम चन्द कछवाय :**

क्या **गृह-कार्य** मंत्री धमेता (जि० कांगड़ा) में श्री बलदेव सिंह की हत्या के बारे में

3 अप्रैल, 1960 के अतारांकित प्रश्न संख्या 5085 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस संबंध में जांच किस तारीख को आरम्भ की गई थी और इस जांच में कितने अधिकारी लगे हैं ;

(ख) क्या यह जांच इस बीच पूरी हो चुकी है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(घ) यदि नहीं, तो अब तक जांच पूरा न होने के क्या कारण हैं और वह कब तक पूरी हो जायेगी ; और

(ङ) यदि उपरोक्त भाग (ख) और (घ) के उत्तर स्वीकारात्मक हों, तो मामला किस तारीख को दर्ज किया गया था और किन विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत दायर किया गया है ?

**गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल)** : (क) से (ङ). उपायुक्त कांगड़ा द्वारा आदेशित अगली जांच के बारे में हिमाचल प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि इस जांच के सम्बन्ध में कुछ विधि-संबंधी कठिनाइयां खड़ी हो गई हैं, जिनकी वे छान-बीन कर रहे हैं ।

**Interviews by U. P. S. C. for Posts in Manipur**

8214. SHRI M. MEGHACHANDRA : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) the number of interviews called by the Union Public Service Commission during 1969-70 for appointments to the vacant posts in the Union Territory of Manipur;

(b) the number of candidates, postwise, who appeared in the interviews;

(c) in how many posts, the requirement of knowing the Manipur language was there;

(d) in how many interviews, any Manipuri knowing official was present;

(e) whether the Union Public Service Commission insisted on the presence of a Manipuri knowing official to be in the Committee taking the interviews; and

(f) whether, in view of the inconvenience caused to the candidates or otherwise, Government propose to create a separate Service Board for Manipur ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) to (f). During the financial year 1969-70 the Union Public Service Commission conducted interviews in 26 cases pertaining to 33 posts in the Union Territory of Manipur. 155 candidates appeared for interviews for these posts. The particulars of the posts are given in the statement laid on the table of the House. [*Placed in Library See* No. LT-338/70]. Out of the 26 cases mentioned above, knowledge of Manipuri was prescribed as a desireable qualification in 19 cases involving 25 posts. In three cases involving 4 posts, it was prescribed as an essential qualification. However Union Public Service Commission associated one retired official knowing Manipuri as an adviser for the post of lecturer in Manipur. The Union Public Service Commission did not insist on the presence of a Manipuri knowing official to be in the Committee taking the interviews. The Study Team of the Administrative Reforms Commission have recommended setting up of Services Selection Board for the Union territories including Manipur. The recommendation is under examination.

**Manipur Civil Service Cadre**

8215. SHRI M. MEGHACHANDRA : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) the particulars of Class I and II posts to be held by the Manipur Civil